SHANTI DEHDAN CHARITABLE TRUST
Reg. IV-46/2025
SDC TRUST, LALITPUR (U.P.)

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, ललितपुर
AUTONOMOUS STATE MEDICAL COLLEGE

SOTTO, U.P.
DONATE ORGANS
SAVE LIVES
DOHA, SGPGIMS

NOTTO
National Organ & Tissue Transplant Organisation
DGHS, Ministry of Health & Family Welfare, GOI

शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट

(SDC TRUST, LALITPUR U.P. 284403)

कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण भारत वर्ष

1	अहिंसा	शरीर से किसी को कष्ट न दो
2	करुणा	मन से सबके प्रति दया रखो
3	परमार्थ	कर्म से सबका कल्याण करो
4	देहदान – अंगदान	मृत्यु के बाद भी, आप अमर रह सकते हैं

हमारा संकल्प है – देहदान, अंगदान, स्क्तदान एवं चिकित्सा शिक्षा एवं करुणा के सिद्धांतों पर आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देना।

- देहदान, अंगदान, स्क्तदान को प्रोत्साहन
- आवश्यक दवाओं एवं चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता
- गरीब एवं असहाय लोगों की सहायता
- चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण एवं जनजागरूकता अभियान
- स्वास्थ्य शिविर एवं परामर्श सेवाएं

चिकित्सा शिक्षा

चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग, प्रशिक्षण एवं जागरूकता के लिए समर्पित

देहदान – जीवनदान

अंगदान – आशा की किरण

स्क्तदान – महादान

चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण

स्वास्थ्य सेवाएं – सबके लिए

मानव सेवा – हमारा धर्म

देहदान क्यों करें ?

- मेडिकल छात्रों की शिक्षा में सहायक मिलती है
- बेहतर डॉक्टर तैयार होते हैं
- शोध कार्यों एवं चिकित्सा उन्नति में योगदान
- मृत्यु के बाद भी आप समाज के लिए उपयोगी बनते हैं

देहदान पंजीकरण कैसे करें ?

वेबसाइट पर जाएं
https://santidehdantrust.org

देहदान फॉर्म डाउनलोड करें

Scan to Pledge
For Organ Donation

फॉर्म भरकर हमें भेजें

अथवा संपर्क करें
मो. 9451575733

"देहदान अमर योगदान,
मृत्यु अंत नहीं, एक नई शुरुआत है"

रक्तदान शिविर– स्थान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बार

दिनांक: 11 अगस्त 2026 , समय दोपहर 12 बजे से अपराह्न 4 बजे तक

प्रायोजक - सुषमा भगवानदास साध (कोषाध्यक्ष)

शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट

SHANTI DEHDAN CHARITABLE TRUST
Reg. IV-46/2025
SDC. TRUST, LALITPUR (U.P.)

रक्त सहायता नीति

(प्राथमिकता क्रम)

प्राथमिकता प्राप्त लाभार्थी

1. असहाय प्रसूता महिलाएँ।
2. किडनी, लीवर फेलियर एवं कैंसर से पीड़ित मरीज।
3. थैलेसीमिया से पीड़ित मरीज।
4. पंजीकृत रक्तदाताओं के परिवार एवं निकट संबंधी, जो माता-पिता, पति/पत्नी, पुत्र-पुत्री, भाई-बहन तक सीमित हैं।

विशेष प्रावधान

1. निरंतर रक्तदाता छूट:

संस्था के लिए निरंतर रक्तदान करने वाले पंजीकृत रक्तदाता के परिवार एवं निकट संबंधियों को, विथष परिस्थितियों में रक्त उपलब्ध होने पर, संस्था की कोई सीमा नहीं होगी।

2. रक्तदान अनिवार्यता:

कैंसर, किडनी फेलियर एवं थैलेसीमिया से पीड़ित मरीजों के परिवार के सक्षम सदस्यों को, संस्था से रक्त प्राप्त करने हेतु **प्रत्येक 4 माह में कम से कम 1 बार स्वैच्छिक रक्तदान करना अनिवार्य** होगा। (रक्तदान शिविर या रक्त बैंक में)

रक्दान शिविर

दिनांक: 11 अगस्त 2026 (मंगलवार)

स्थान: CHC Center/ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र- बार

समय: दोपहर 12 बजे से अपराहन 4 बजे तक

उपलब्ध रक्त संसाधनों का उपयोग मानव जीवन की रक्षा हेतु सर्वाधिक आवश्यकता वाले मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराते हुए **स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को सुदृढ़ एवं प्रोत्साहित करना।**

बार सीएचसी में रक्तदान शिविर, छह लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

- देहदान-अंगदान और नशामुक्ति को लेकर भी चलाया जागरूकता अभियान
- ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

दैनिक खरे बोल,ललितपुर।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बार में शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में रक्त केंद्र एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छह लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए अपना योगदान दिया। इस दौरान देहदान, अंगदान एवं नशामुक्ति को लेकर भी लोगों को जागरूक किया गया। शिविर का शुभारंभ चिकित्सा अधीक्षक डा. केतन कुमार एवं खंड विकास अधिकारी सर्वेश कुमार ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में शेरसिंह यादव, अमन मोदी, दीपक बाल्मीकि, जाहर सिंह, अशोक कुमार एवं अगमजोत सिंह अरोड़ा ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर के दौरान रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए देहदान एवं अंगदान के लिए पंजीकरण तथा नशामुक्ति को लेकर जागरूक किया गया। ट्रस्ट संस्थापक खुशालचन्द्र साहू ने कहा कि रक्तदान और अंगदान महादान है। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से रक्तदान एवं जागरूकता शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक युवाओं को इससे जोड़ना जरूरी है, ताकि जरूरतमंद मरीजों के लिए समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य रक्तदान के साथ-साथ देहदान, अंगदान और नशामुक्ति के प्रति समाज में जागरूकता पैदा करना भी है। शिविर के दौरान ओपीडी में मरीजों और तीमारदारों की पर्याप्त संख्या मौजूद रही, लेकिन रक्तदान के लिए अपेक्षाकृत कम लोगों के आगे आने से ग्रामीण क्षेत्र में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता सामने आई। आयोजकों का कहना है कि केवल शिविर आयोजित करने के बजाय शिविर से पहले संभावित रक्तदाताओं तक पहुंच बनाना, पूर्व- पंजीकरण कराना और रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करना जरूरी है। रक्तदान को लेकर कमजोरी या स्वास्थ्य खराब होने की आशंका, रक्तदान की पात्रता एवं प्रक्रिया की पर्याप्त जानकारी का अभाव तथा अस्पताल आने वाले अधिकांश लोगों का स्वयं मरीज अथवा तीमारदार होना भी कम भागीदारी के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। इसके अलावा नियमित रक्तदाताओं का स्थायी संपर्क समूह नहीं होने से भी अपेक्षित संख्या में रक्तदाता नहीं जुट पाते। आयोजकों ने आगामी रक्तदान शिविरों में जनभागीदारी बढ़ाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर पूर्व-पंजीकरण एवं जनसंपर्क अभियान चलाने पर जोर दिया। अभियान में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, एएनएम, आशा कार्यकत्रियों, पंचायत प्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं युवा संगठनों को जोडने की आवश्यकता बताई गई। पहली बार रक्तदान करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करने तथा नियमित स्वैच्छिक रक्तदाताओं का स्थायी संपर्क समूह तैयार करने पर भी जोर दिया गया। रक्त केंद्र की ओर से शिविर के आयोजन में डा.विमल यादव, बालमुकुंद साध, सूरज कुमार, आकाश कुमार, प्रीतम एवं भवानी सिंह सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बार की पूरी टीम का सहयोग सराहनीय रहा। इस दौरान शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से संयोजक ज्योति सिंह लोधी, काउंसलर डा.के.एस. यादव, वित्तीय पर्यवेक्षक जे.पी. यादव, मंत्री राजपाल फौजी, उपाध्यक्ष महेश कुशवाहा, ट्रस्टी सामंत सिंह यादव एवं शेरसिंह यादव तथा मीडिया सेल से अमित लखेरा एवं देवेन्द्र साहू मौजूद रहे। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित जागरूकता कार्यक्रमों के साथ पूर्व नियोजित जनसंपर्क और संभावित रक्तदाताओं की सूची तैयार कर भविष्य में रक्तदान के प्रति जनभागीदारी को और बढ़ाया जा सकता है।

बार सीएचसी में रक्तदान शिविर, छह लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बार में रक्त केंद्र एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छह लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए अपना योगदान दिया। इस दौरान देहदान, अंगदान एवं नशामुक्ति को लेकर भी लोगों को जागरूक किया गया। शिविर का शुभारंभ चिकित्सा अधीक्षक डा. केतन कुमार एवं खंड विकास अधिकारी सर्वेश कुमार ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शिविर में शेरसिंह यादव, अमन मोदी, दीपक बाल्मीकि, जाहर सिंह, अशोक कुमार एवं अगमजोत सिंह अरोड़ा ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर के दौरान रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए देहदान एवं अंगदान के लिए पंजीकरण तथा नशामुक्ति को लेकर जागरूक किया गया। ट्रस्ट संस्थापक खुशालचन्द्र साहू ने कहा कि रक्तदान और अंगदान महादान है। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से रक्तदान एवं जागरूकता शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक युवाओं को इससे जोडना जरूरी है, ताकि जरूरतमंद मरीजों के लिए समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। अभियान में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, एएनएम, आशा कार्यकत्रियों, पंचायत प्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं युवा संगठनों को जोडने की आवश्यकता बताई गई। पहली बार रक्तदान करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करने तथा नियमित स्वैच्छिक रक्तदाताओं का स्थायी संपर्क समूह तैयार करने पर भी जोर दिया गया। रक्त केंद्र की ओर से शिविर के आयोजन में डा.विमल यादव, बालमुकुंद साध, सूरज कुमार, आकाश कुमार, प्रीतम एवं भवानी सिंह सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बार की पूरी टीम का सहयोग सराहनीय रहा। इस दौरान शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित जागरूकता कार्यक्रमों के साथ पूर्व नियोजित जनसंपर्क और संभावित रक्तदाताओं की सूची तैयार कर भविष्य में रक्तदान के प्रति जनभागीदारी को और बढ़ाया जा सकता है।

बार सीएचसी में रक्तदान शिविर, छह लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

देहदान-अंगदान और नशामुक्ति को लेकर भी चलाया जागरूकता अभियान

ललितपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बार में शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में रक्त केंद्र एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छह लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए अपना योगदान दिया। इस दौरान देहदान, अंगदान एवं नशामुक्ति को लेकर भी लोगों को जागरूक किया गया। शिविर का शुभारंभ चिकित्सा अधीक्षक डा. केतन कुमार एवं खंड विकास अधिकारी सर्वेश कुमार ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शिविर में शेरसिंह यादव, अमन मोदी, दीपक बाल्मीकि, जाहर सिंह, अशोक कुमार एवं अगमजोत सिंह अरोड़ा ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर के दौरान रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए देहदान एवं अंगदान के लिए पंजीकरण तथा नशामुक्ति को लेकर जागरूक किया गया। ट्रस्ट संस्थापक खुशालचन्द्र साहू ने कहा कि रक्तदान और अंगदान महादान है। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से रक्तदान एवं जागरूकता शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक युवाओं को इससे जोड ?ा जरूरी है, ताकि जरूरतमंद मरीजों के लिए समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य रक्तदान के साथ-साथ देहदान, अंगदान और नशामुक्ति के प्रति समाज में जागरूकता पैदा करना भी है। शिविर के दौरान ओपीडी में मरीजों और तीमारदारों की पर्याप्त संख्या मौजूद रही, लेकिन रक्तदान के लिए अपेक्षाकृत कम लोगों के आगे आने से ग्रामीण क्षेत्र में स्वैच्छिक

रक्तदान के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता सामने आई। आयोजकों का कहना है कि केवल शिविर आयोजित करने के बजाय शिविर से पहले संभावित रक्तदाताओं तक पहुंच बनाना, पूर्व- पंजीकरण कराना और रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करना जरूरी है। रक्तदान को लेकर कमजोरी या स्वास्थ्य खराब होने की आशंका, रक्तदान की पात्रता एवं प्रक्रिया की पर्याप्त जानकारी का अभाव तथा अस्पताल आने वाले अधिकांश लोगों का स्वयं मरीज अथवा तीमारदार होना भी कम भागीदारी के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। इसके अलावा नियमित रक्तदाताओं का स्थायी संपर्क समूह नहीं होने से भी अपेक्षित संख्या में रक्तदाता नहीं जुट पाते। आयोजकों ने आगामी रक्तदान शिविरों में जनभागीदारी बढ़ाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर पूर्व-पंजीकरण एवं जनसंपर्क अभियान चलाने पर जोर दिया। अभियान में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, एएनएम, आशा कार्यकत्रियों, पंचायत प्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं युवा संगठनों को जोड ? की आवश्यकता बताई गई। पहली बार रक्तदान करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करने तथा नियमित स्वैच्छिक रक्तदाताओं का स्थायी संपर्क समूह तैयार करने पर भी जोर दिया गया। रक्त केंद्र की ओर से शिविर के आयोजन में डा.विमल यादव, बालमुकुंद साध, सूरज कुमार, आकाश कुमार, प्रीतम एवं भवानी सिंह सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बार की पूरी टीम का सहयोग सराहनीय रहा। इस दौरान शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से संयोजक ज्योति सिंह लोधी, काउंसलर डा.के.एस. यादव, वित्तीय पर्यवेक्षक जे.पी. यादव, मंत्री राजपाल फौजी, उपाध्यक्ष महेश कुशवाहा, ट्रस्टी सामंत सिंह यादव एवं शेरसिंह यादव तथा मीडिया सेल से अमित लखेरा एवं देवेन्द्र साहू मौजूद रहे। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित जागरूकता कार्यक्रमों के साथ पूर्व नियोजित जनसंपर्क और संभावित रक्तदाताओं की सूची तैयार कर भविष्य में रक्तदान के प्रति जनभागीदारी को और बढ़ाया जा सकता है।

बार सीएचसी में रक्तदान शिविर, छह लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

» देहदान-अंगदान और नशा मुक्ति को लेकर भी चलाया जागरूकता अभियान

» ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बार में शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में रक्त केंद्र एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छह लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए अपना योगदान दिया। इस दौरान देहदान, अंगदान एवं नशा मुक्ति को लेकर भी लोगों को जागरूक किया गया। शिविर का शुभारंभ चिकित्सा अधीक्षक डा. केतन कुमार एवं खंड विकास अधिकारी सर्वेश कुमार ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में शेर सिंह यादव, अमन मोदी, दीपक वाल्मीकि, जाहर सिंह, अशोक कुमार एवं अगमजोत सिंह अरोड़ा ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर के दौरान रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए देहदान एवं अंगदान के लिए पंजीकरण तथा नशा मुक्ति को लेकर जागरूक किया गया। ट्रस्ट संस्थापक खुशालचन्द्र साहू ने कहा कि रक्तदान और अंगदान महादान है। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से रक्तदान एवं जागरूकता शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक युवाओं को इससे जोड़ना जरूरी है, ताकि जरूरतमंद मरीजों के लिए समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य रक्तदान के साथ-साथ देहदान, अंगदान और नशा मुक्ति के प्रति समाज में जागरूकता पैदा करना भी है। शिविर के दौरान ओपीडी में मरीजों और तीमारदारों की पर्याप्त संख्या मौजूद रही, लेकिन रक्तदान के लिए अपेक्षाकृत कम लोगों के आगे आने से ग्रामीण क्षेत्र में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता सामने आई। इसके अलावा नियमित रक्तदाताओं का स्थायी संपर्क समूह नहीं होने से भी अपेक्षित संख्या में रक्तदाता नहीं जुट पाते। आयोजकों ने आगामी रक्तदान शिविरों में जनभागीदारी बढ़ाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर पूर्व-पंजीकरण एवं जनसंपर्क अभियान चलाने पर जोर दिया। अभियान में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, एएनएम, आशा कार्यकत्रियों, पंचायत प्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं युवा संगठनों को जोड़ने की आवश्यकता बताई गई। पहली बार रक्तदान करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करने तथा नियमित स्वैच्छिक रक्तदाताओं का स्थायी संपर्क समूह तैयार करने पर भी जोर दिया गया। रक्त केंद्र की ओर से शिविर के आयोजन में डा.विमल यादव, बालमुकुंद साध, सूरज कुमार, आकाश कुमार, प्रीतम एवं भवानी सिंह सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बार की पूरी टीम का सहयोग सराहनीय रहा। इस दौरान शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से संयोजक ज्योति सिंह लोधी, काउंसलर डा.के. एस. यादव, वित्तीय पर्यवेक्षक जे.पी. यादव, मंत्री राजपाल फौजी, उपाध्यक्ष महेश कुशवाहा, ट्रस्टी सामंत सिंह यादव एवं शेर सिंह यादव तथा मीडिया सेल से अमित लखेरा एवं देवेन्द्र साहू मौजूद रहे। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

देहदान-अंगदान और नशामुक्ति पर फैलाई जागरूकता

ललितपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बार में शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में रक्त केंद्र एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छह लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के लिए अपना योगदान दिया। शिविर में देहदान, अंगदान एवं नशामुक्ति को लेकर लोगों को जागरूक किया गया।

शिविर का शुभारंभ चिकित्सा अधीक्षक डा.केतन कुमार एवं खंड विकास अधिकारी सर्वेश कुमार ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान शेरसिंह यादव, अमन मोदी, दीपक बाल्मीकि, जाहर सिंह, अशोक कुमार एवं अगमजोत सिंह अरोड़ा ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए देहदान एवं अंगदान के लिए पंजीकरण तथा नशामुक्ति को लेकर जागरूक किया गया। ट्रस्ट संस्थापक खुशालचन्द्र साहू ने कहा कि रक्तदान और अंगदान महादान है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य रक्तदान के साथ देहदान, अंगदान और नशामुक्ति के प्रति समाज में जागरूकता पैदा करना भी है। आयोजकों का कहना है कि केवल शिविर आयोजित करने के बजाय शिविर से पहले संभावित रक्तदाताओं तक पहुंच बनाना, पूर्व पंजीकरण कराना और रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करना जरूरी है। आयोजकों ने आगामी रक्तदान शिविरों में जनभागीदारी बढ़ाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर पूर्व पंजीकरण एवं जनसंपर्क अभियान चलाने पर जोर दिया। अभियान में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, एएनएम, आशा कार्यकत्रियों, पंचायत प्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं युवा संगठनों को जोड़ने की आवश्यकता बताई गई। रक्त केंद्र की ओर से शिविर के आयोजन में डा.विमल यादव, बालमुकुंद साध, सूरज कुमार, आकाश कुमार, प्रीतम एवं भवानी सिंह सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बार की पूरी टीम का सहयोग रहा। इस दौरान शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से संयोजक ज्योति सिंह लोधी, काउंसलर डा.केएस यादव, वित्तीय पर्यवेक्षक जेपी यादव, मंत्री राजपाल फौजी, उपाध्यक्ष महेश कुशवाहा, ट्रस्टी सामंत सिंह यादव एवं शेरसिंह यादव तथा मीडिया सेल से अमित लखेरा एवं देवेन्द्र साहू मौजूद रहे। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

इस अभियान के दौरान पीड़ित मरीजों को जोड़ों का निःशुल्क परीक्षण किया गया और उन्हें निःशुल्क परामर्श दिया गया। मरीजों को अपनी जीवनशैली सही रूप में बदलने की सलाह दी गयी ताकि उन्हें जोड़ों के दर्द से मुक्ति मिल सके।

रैन बसेरा
जन औषधि

सत्यमेव जयते
https://shantidehdantrust.org/
राज्य चिकित्सा महाविद्यालय
एवं परिवार कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में
देहदान चैरिटेबल
(SDC. TRUST, LALITPUR U.P. 284403)
फाउंडेशन, बिरधा
द्वारा
रक्तदान शिविर
आपका हार्दिक अभिनन्दन करते
एवं विज्ञान की उन्नति हेतु देहदान
अंगदान एवं रक्तदान करें
बाद एक नई जिन्दगी जीने